

LOK SABHA

Thursday, November 22, 1962/Agrahayana 1, 1884 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

(MR. SPEAKER in the Chair).

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Distribution of Rihand Power between U.P. and M.P.

+

- *321. { Shri S. M. Banerjee:
Shri Daji:
Shri Birendra Bahadur Singh:

Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state:

(a) whether a compromise formula has finally been evolved between Uttar Pradesh and Madhya Pradesh regarding distribution of power from Rihand Dam; and

(b) if so, the details of the agreed formula?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Irrigation and Power (Shri S. A. Mehdi): (a) No; Sir.

(b) Does not arise.

Shri S. M. Banerjee: May I know when a compromise is likely to be arrived at on this issue and what is the suggestion given by the Chief Minister of Uttar Pradesh?

The Minister of Irrigation and Power (Hafiz Mohammad Ibrahim): I am not aware of any suggestion made

2189(Ai)LSD—1.

by the Chief Minister of Uttar Pradesh, but I know that both of them are going to meet shortly in order to consider this question between themselves. I had talks with both and I had some correspondence with both, and last time, when he came here, the Chief Minister of Madhya Pradesh promised that they will consider this.

Shri S. M. Banerjee: May I know whether the Minister is aware that some of the industries are likely to suffer during this emergency because of the lack of power and, if so, whether a decision is likely to be taken so far as the Rihand power distribution is concerned as between these two States?

Mr. Speaker: They will take a decision.

Shri S. M. Banerjee: This is about the Rihand dam and so I am putting it.

Mr. Speaker: Then he has put it. Dr. Govind Das.

डा० गोविन्द दास : क्या यह बात सही नहीं है कि यह मामला बहुत दिनों से मुल्तवी होता जा रहा है और हमारे मध्य प्रदेश में काफी हानि हो रही है और मध्य प्रदेश में इससे काफी क्षोभ है, और क्या सरकार इस बात का प्रयत्न करेगी कि यह मामला जल्दी से जल्दी निपट जाय और कोई समझौता हो जाये ?

अध्यक्ष महोदय : क्या तो है कि वह इसको जल्दी से जल्दी ले रहे हैं ।

हाफिज मुहम्मद इब्राहीम : जब यहां पर इस क्वेश्चन पर जनरल डिक्शन हुआ

या मैंने उस वक्त भी कहा था और वादा किया था मैं इसको जल्दी खत्म करूंगा।

Shri A. S. Saiga!: May I know the result of the talks which were held by the hon. Minister with the Chief Minister of Madhya Pradesh and the Chief Minister of Uttar Pradesh?

Mr. Speaker: Both of them are going to meet now. That is the result.

Shri R. S. Pandey: May I know whether the Ministry has written a letter to both the Chief Ministers to come and sit together and finalise matters in regard to the distribution of power?

Hafiz Mohammad Ibrahim: I have already said that we are in correspondence with both of them.

Shri Vidya Charan Shukla: This matter has been hanging fire for the last four years. May I know the specific reasons because of which the Governments of Madhya Pradesh and Uttar Pradesh have not been able to arrive at an agreed formula?

Mr. Speaker: He said they are meeting. Why should he ask about it then? Next question.

देश में बाढ़ के कारण महामारी

*३२२. श्री विभूति मिश्र : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार, आसाम, उत्तर प्रदेश, और अन्य राज्यों के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में बाढ़ के कारण महामारी न फैले इसके लिये सरकार ने कौन कौन से उपाय किये हैं; और

(ख) महामारी किस सीमा तक रुकी है ?

स्वास्थ्य मंत्रालय में उपमंत्री (डा० ब० स० राजू) : (क) और (ख). अपेक्षित सूचना का एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है। [पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल टी-५८२-६२]

श्री विभूति मिश्र : सूचना को देखते हुए पता चलता है कि उसमें यह नहीं लिखा गया है कि केन्द्रीय सरकार ने विभिन्न स्टेटों को क्या मदद दी है। दूसरी बात यह है कि . .

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य एक ही प्रश्न क्यों न करें ?

श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष महोदय, सवाल तो एक था लेकिन सरकार ने जवाब दिये पचास। आप जिस तरह से कहें उस तरह से मैं सवाल करूँ।

अध्यक्ष महोदय : आपने जैसा सवाल पूछा है उसके हिसाब से जवाब लम्बा था और इस लिये उन्होंने स्टेटमेंट यहां रखा है।

श्री विभूति मिश्र : मैं कहना चाहता हूँ कि स्टेटमेंट को देखने से यह पता नहीं चलता है कि केन्द्रीय सरकार ने विभिन्न स्टेटों को दवाओं के रूप में या रुपयों के रूप में क्या मदद दी है।

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) :

इस वक्त सरकार का मदद देने का तरीका अलग किस्म का हो गया है और करोड़ों रुपयों की मदद केन्द्रीय सरकार से अलग अलग किस्म के कामों के लिये स्टेट गवर्नमेंट्स को मिलती है। उसके उपरान्त इस विषय में किसी और विशेष मदद की आवश्यकता स्टेट गवर्नमेंट्स को महसूस नहीं हुई है। चूँकि उन्होंने कोई और मदद मांगी नहीं है इसलिए हमारे देने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

श्री विभूति मिश्र : इस साल बाढ़ के बाद हमने देखा कि मच्छर बहुत ज्यादा बढ़ गये हैं। इसमें और चीजों की दवा है लेकिन मच्छर रोकने के लिये कोई दवा नहीं है जो कि मलेरिया की जड़ है।

डा० सुशीला नायर : मच्छरों के लिये तो देश भर में मलेरिया उन्मूलन का विशेष कार्यक्रम चल रहा है और उसमें सैकड़ों